देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर

एल.एल.बी. पांचवा सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र 2011

दीवानी प्रक्रिया संहिता और मियाद अधिनियम

CODE CIVIL PROCEDURE AND LIMITATION

नोट- किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Attempt any five questins. All question carry equal marks.

खण्ड-अ

19. प्राड्न्याय का सिद्धान्त क्या है ? इस सिद्धान्त के उद्गम, उद्देश्य, क्षेत्र एवं आधारों की उदाहरण सहित विवेचना कीजिए। http://www.davvonline.com

What is doctrine resjudicata? Discuss its orign, bjects, scope and basis of the doctrine with illustration.

2. सम्मन से आप क्यां समझते हें ? एक सम्मन में क्या समाविष्ट होता है ? समय के तामील की विभिन्न रीतियाँ क्या हैं ? समझाइये।

What do you understand by Summon? What particulars should be mentioned in summon?

3. प्रतिसादन को परिभाषित कीजिए। प्रतिसादन कितने प्रकार का होता है ? समझाइये ? प्रतिसादन का दावा कब एवं कैसे किया जा सकता है ?

Define set-off. Explain what are the kinds f a set-off ? When and how the set-off may be claimed? http://www.davvonline.com

4. कुर्की से क्या तात्पर्य है ? क्या कोई सम्पत्ति सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन कुर्की व विक्रय से मुक्त है ? यदि हाँ, तो क्यो ? क्या निर्णीय ऋणी की सम्पत्ति जो तृतीय पक्ष की अभिरक्षा में हो, कुर्क की जा सकती है ? यदि हाँ, तो किस तरह ?

What is meanat by attachment? Does the Code of Civil Proce dure exempt any property from attachment or sale? If yes, why? Can the property judgement debtor in the hands of third party also can be attached? If yes, how?

खण्ड-ब

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन में अन्तर कीजिए।

(1) प्राड्न्याय एवं बिन्धन (2) आज्ञप्ति एवं आदेश

(3) पुनर्विलोकन व अपील (4) विधिक मुजराई एवं साम्यगत जुलाई

Distinguish between any three of the following.

(1) Res-judicata and Estoppel (2) Decree and Order

(3) Review and Appeal

(4) Legal set-off and Equitable set-off

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिये।

(1) मध्यवर्ती लाभ (2) अस्थाई निषेधाज्ञा (3) अन्तर्अभिवचनीय वाद

(4) प्रतिनिधि वाद (5) अकिंचन वाद

Write notes on any four of the following

(i) Mesne profit (ii) Temporary injuction

(iii) Interpleader suit (iv) Representative suit (v) Pauper suit

7. वाद श्रवण के दिनांक को किसी प्रकार पक्षकार की दीवानी न्यायालय में अनुपस्थिति के क्या परिणाम होते हैं ? ऐसी स्थिति में पक्षकार को क्या उपचार उपलब्ध है ? विवेचना कीजिए।

What are the consequences of absence of a party on the date o hear--ing suit in a civil court? Discuss the remedies which are available to the party in such a situation. Discuss. http://www.davvonline.com

8. 'पर्याप्त कारण' को परिभाषित कीजिए और बताइये कि मियाद बढ़ाने के लिए कौन से कारण पर्याप्त माने जाते हैं, कौन से नहीं ? दृष्टान्त दीजिए।

Define `sufficient cause' and write down that what are and what are not sufficient causes for the purpose of extension period o limitation? Give illustration.

खण्ड-स

9. मथुरा प्रसाद v/s दस्सी बाई ए.आई.आर.1971 ए.सी.2355 के वाद के तथ्यों एवं प्रतिपादित विधि सिद्धांतों की विवेचना कीजिए।

Diseuss the facts & Principales o Lawlaid down in the case of malhura Prasad v/s Dassi Bai AIR 1971 SC 2355 http://www.davvonline.com

10. निम्नलिखित निर्धारित वाद के तथ्य, निर्णय एवं प्रतिपादित विधि के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

करन सिंह एवं अन्य बनाम चमन पेशारन एवं अन्य ए.आई.आर.1954 एस.सी.340

State the facts judgement & Principles o Law Laid down decided cases by Apox cout of India.

Kiran singh & othess v/s chaman Pesharan & other AIR 1954 sc340